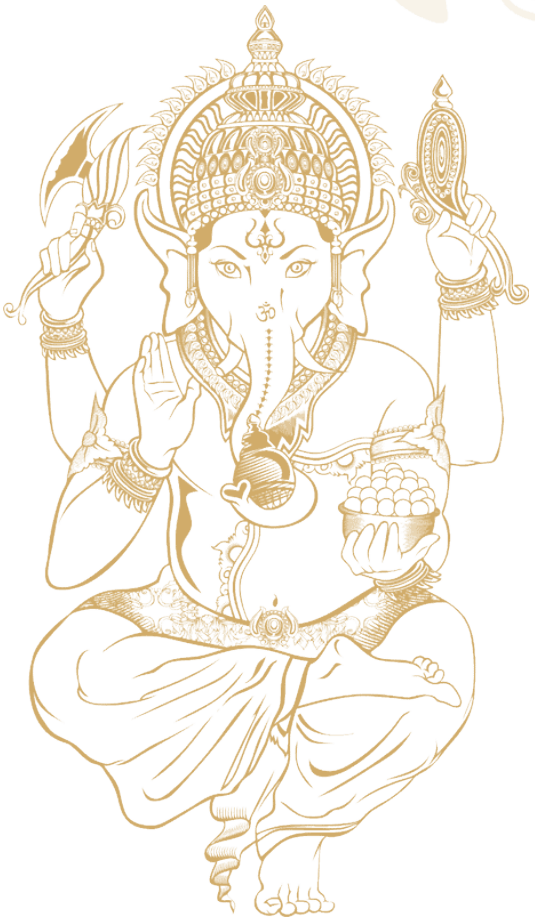

Vo

06 May 1997

02:32 PM

Muzaffarpur

Model: web-freelalkitab

Order No: 121367502

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाऐ खुदाई नहीं।

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/05/1997**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:32:00 घंटे**
इष्ट	23:29:53 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

दादा का नाम	
पिता का नाम	
माता का नाम	
जाति	
गोत्र	

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:43:32 घंटे
वेलान्तर	00:03:23 घंटे
साम्पातिक काल	05:40:35 घंटे
सूर्योदय	05:08:02 घंटे
सूर्यास्त	18:22:34 घंटे
दिनमान	13:14:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:03:25 मेष
लग्न के अंश	01:48:58 कन्या

चैत्रादि संवत / शक	2054 / 1919
मास	वैशाख
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	15
तिथि समाप्ति काल	26:16:31
जन्म तिथि	15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	अश्विनी
नक्षत्र समाप्ति काल	10:38:05 घंटे
जन्म नक्षत्र	भरणी
सूर्योदय कालीन योग	आयुष्मान
योग समाप्ति काल	18:12:06 घंटे
जन्म योग	आयुष्मान
सूर्योदय कालीन करण	चतुष्पाद
करण समाप्ति काल	15:18:09 घंटे
जन्म करण	चतुष्पाद
भयात	09:44:44
भभोग	56:49:40
भोग्य दशा काल	शुक्र 16 वर्ष 6 मा 17

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह		राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न		कन्या	01:48:58	---	--	--	--	नेक
सूर्य		मेष	22:03:25	उच्च राशि	--	--	--	नेक
चन्द्र		मेष	15:38:05	सम राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल		सिंह	23:21:39	मित्र राशि	--	--	--	नेक
बुध	व	मेष	05:52:33	सम राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु		मकर	26:16:26	नीच राशि	--	--	--	नेक
शुक्र		वृष	00:49:51	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
शनि		मीन	20:51:24	सम राशि	--	--	--	नेक
राहु	व	कन्या	04:01:12	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक
केतु	व	मीन	04:01:12	मूलत्रिकोण	--	--	--	नेक

भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	हाँ	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	हाँ	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली

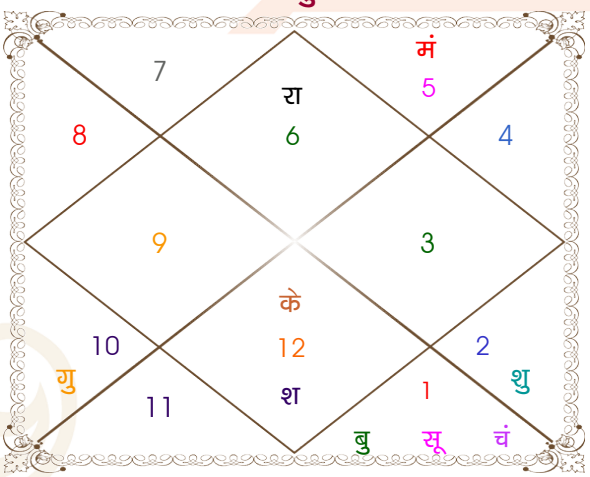

लालकिताब कुंडली

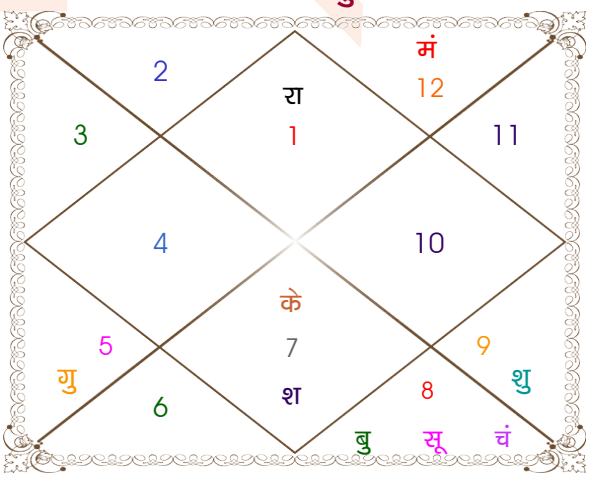

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य आठवें खाने में है। इसकी वजह से आप बहुत गुस्सा करेंगी। आप अधीर, पुरुषों के लिए लालायित, सच्चाई से आगे बढ़ने वाली, तपस्विनी होंगी। मरने के वक्त आपको भयानक रोग या कष्ट नहीं होगा। आपकी आयु की रक्षा होगी। बहन की ससुराल में रह कर चोरी न करें तो अच्छा फल मिलेगा। यदि आप चोरी न करें तो भाग्यशाली होंगी। आपके सामने किसी की मौत नहीं होगी। आप बीमार व्यक्ति के पास बैठें तो रोगी स्वस्थ हो जाएगा। आमतौर पर आपका जीवन सुखी रहेगा। आप सच्चे और नर्म स्वभाव की होंगी। कभी तिरस्कृत भी होना पड़ सकता है। आप हर काम करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। आपके धन का दूसरे लोग भी उपयोग करेंगे। आपका साधू स्वभाव होगा तो अपने लिये किये कार्यों को संसार को समर्पित करने की आप में भावना रहेगी।

यदि आपने पुरुषों से झगड़ा किया, माता-पिता, बहन-भाई को धन के लिए तंग किया, चोरी ठगी की नियत रखी, दक्षिण दिशा के मुख्य दरवाजे वाले मकान में रिहाईश की तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से गुप्त रोग से दुःखी/अस्वस्थ रहेंगी। सरकारी विभाग से परेशानी आर्थिक स्थिति खराब और आंखों की रोशनी कम हो सकती है। गंदी सोहबत में पड़ कर आप तबाह हो जाएंगी। आप पति के अलावा दूसरे पुरुष से संबंध रखेंगी तो आपके भाग्य में धोखा लिखा है। जहरीले जीव-जंतुओं से सावधान रहें ये आपके मौत के कारण हो सकते हैं। आपको पीठ में दर्द, रक्तचाप की बीमारी हो सकती है। आपको आर्थिक नुकसान की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रसोई को अपवित्र न बनायें।
2. परपुरुष से अनैतिक संबंध न रखें।

उपाय :

1. बड़े भाई या गाय की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को जल देवें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा आठवें घर में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी औलाद पर अच्छा असर पड़ेगा। आपको पुत्र सुख निश्चय प्राप्त होगा। कृषि कार्य तथा आपके पति से विशेष मदद की आशा है। बहुत सी मुश्किलों को आप आसान कर सकती हैं, आपके जीवन के 34 साल तक का समय साधारण रहेगा। विवाह के बाद आपका भाग्य चमक सकता है या 34 वर्ष के बाद भाग्य चमकेगा। आप ईर्ष्यालु, रोगी, पिता-माता/सास-ससुर दोनों में से किसी एक

के सुख से वंचित रहेंगी। धन कमाने में माहिर होंगी। ननिहाल-ससुराल का सुख मिलेगा। आप माता-पिता/सास-ससुर की सेवा करेंगी। आपको बुजुर्गों की संपत्ति मिलेगी।

यदि आपने दिल में छल-कपट रखा, तंबोला आदि खेला, बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध बन्द किया, ससुराल में झगड़ा किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी सोच निराशाजनक या निराशात्मक भी हो सकती है। मन की शक्ति कमजोर या क्षीण होगी। आपके जन्म समय में माता को बहुत कष्ट हुआ होगा या माता का आप्रेशन हो, ऐसी संभावना है। आप कर्म-धर्म हीन हो जाएंगी, बाधाएं बढ़ेंगी। घर से बेघर होना पड़ सकता है। चरित्रहीन पुरुषों की संगति से आप बर्बाद हो सकती हैं। परिवार में दमे या मिरगी की बीमारी होने का भय है, पितृदोष से पुत्र का सुख नहीं मिल पाएगा। आप यदि ज्वैलरी का काम करेंगी तो बुरा असर होगा। अकारण लोगों से शत्रुता हो सकती है। झूठ-जूठ आपकी आयु को कम कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रात्रि के समय दूध न पीयें।
2. छल कपट न करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गेहूं धर्मस्थान में देवें।
2. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें या अमावस्या के दिन दूध-खीर दान करें।